M.A. (Hindi) (CBCS Pattern) Semester-I

MAHNCBCS102 - Core Paper-II - Kavyashastra Evam Sahitya Lochan Bhartiya Kavyashastra

P. Pages : 3 | **GUG/W/24/10245**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए।

खण्ड - 'क' **10**

अ) "भारतीय काव्यशास्त्र में रस - सिध्दान्त को सर्वाधिक महत्त्व प्राप्त हुआ है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आ) संस्कृत काव्यशास्त्र में काव्य के लक्षण को स्पष्ट करते हुए काव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - 'ख' **10**

इ) भारतीय काव्यशास्त्रियों के दृष्टीकोण के आधार पर रीति की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ई) अलंकार संप्रदाय का निरूपण कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए।

खण्ड - 'ग' **10**

क) ध्वनि के भेदों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

ख) ध्वनि के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए, ध्वनि सिध्दांत की प्रमुख स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - 'घ'

10

ग) औचित्य सिध्दान्त की प्रमुख स्थापनाएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

घ) "वाणी के विलक्षण व्यापार का नाम वक्रोक्ति है।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **20**

1) औचित्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

2) काव्य के आत्मा संबंधी मतों को स्पष्ट कीजिए।

3) ध्वनि संप्रदाय के संस्थापक कौन है? उनकी क्या मान्यताएँ है?

4) भरत मुनि द्वारा प्रतिपादित रस के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

5) काव्य के रूप में वक्रोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

6) अलंकार संप्रदाय के भामह की अलंकारों के संबंध में क्या मान्यता थी?

7) काव्य में रीति सिध्दान्त पर प्रकाश डालिये।

4. निम्नलिखित सभी अति-लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) औचित्य शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2) काव्य हेतू से क्या तात्पर्य है?

3) रस-निष्पत्ति का सुत्र क्या है? वह किसका है?

4) वक्रोक्ति के कितने भेद माने जाते हैं?

5) अलंकार की परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित निर्देशों या विकल्पों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

1) अलंकार शब्द में अलं का अर्थ है-

अ) सजावट ब) आभूषण

स) बनावट द) मिलावट

2) ध्वनि सिध्दान्त के प्रवर्तक है-

अ) वामन ब) कृंतक

स) भरत द) आनंदवर्धन

3) काव्यालंकार के रचयिता है-

अ) भामह ब) मम्मट

स) जगन्नाथ द) विश्वनाथ

4) साहित्य प्रकाश के रचयिता है-

अ) मम्मट ब) विश्वनाथ

स) जगन्नाथ द) भामह

5) काव्य-दोष कितने प्रकार के होते है-

अ) चार ब) पांच

स) सात द) दस

6) 'चित्र तुरंग न्याय' की व्याख्या किस आचार्य ने की है?

अ) विश्वनाथ ब) जगन्नाथ

स) वामन द) भरतमुनि

7) आनंदवर्धन किस संप्रदाय के आचार्य है?

अ) रससिध्दान्त ब) ध्वनि सिध्दान्त

स) औचित्य सिध्दान्त द) वक्रोक्ति सिध्दान्त

8) वक्रोक्ति से आशय है-

अ) टेढ़ा कथन ब) सीधा कथन

स) हास्य द) रुदन

9) रति स्थायी भाव से -------- की उत्पत्ति होती है।

अ) करूण ब) रौद्र

स) वात्सल्य द) श्रृंगार

10) "रमणीयार्थ प्रतिपादक शब्द: काव्य" किसकी उक्ति है?

अ) भामह ब) मम्मट

स) विश्वनाथ द) जगन्नाथ

****